तारीख हुकम	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल जज
8/12/16	वकील वादी उपस्थित। वकील प्रति० 01 की ओर से श्री [illegible] Jain ने वकालतनामा मय प्रा० पत्र श्री [illegible] प्रस्तुत किया जो शामिल पत्रावली रहे। प्रतिवादी 10 की ओर से श्री राजकुमार मीणा एड. ने वकालतनामा प्रस्तुत किया जो शामिल पत्रावली रहे। पत्रावली वास्ते जवाब प्रा० पत्र दि 21/12/16 को पेश हो। [illegible] की अवधि [illegible] बढ़ाई जाती है उपखण्ड अधिकारी (पंच)
21/12/16	वकील पक्षकारान उपस्थित। प्रा० पत्र के मूल वाद का ही निस्तारण किया जा चुका है अब प्रा० पत्र निर्णयार्थ [illegible] में कोई कार्यवाही अपेक्षित नहीं है। अतः पत्रावली फैसल शुमार होकर नस्ती [illegible] की जाकर मूल वाद में शामिल होकर दाखिल दफ्तर हो। उपखण्ड अधिकारी (पंच)

Scanned by CamScanner